

मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी भजन लिरिक्स



मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

तर्ज - सागर किनारे।

सिर पे मुकुट और कानों में कुंडल,
माथे पे हीरा आंखें ये चंचल,
अधरों पे लगती मुरली है प्यारी,
मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

पुष्पों की माला से बागा सजा है,
उस पे सुगंधित इत्र लगा है,
महक रहे हो श्याम बिहारी,
मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

दरबार तेरे जो दर्शन को आए,
भक्त जो देखे तुझे देखता ही जाए,
'आकाश' गूँजे जय कार थारी,
मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

मनमोहनी है छवि ये तुम्हारी,
हटती नहीं है बाबा नजरें हमारी।bd।

Singer & Lyricist - Aakash Sharma
